Title: Demand to make Trans-Varna-Sewer Plan functional and need to repair Sewage Treatment Plant in Salarpur, Uttar Pradesh to save the people from diseases.

श्री आनन्द रत्न मौर्य : बनारस भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक राजधानी है और बनारस में गंगा का अपना महत्व है। विगत कई वर्षों से गंगा निर्मलीकरण योजना चल रही है। उस निर्मलीकरण योजना में एक गंगा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगा है जो हमारे क्षेत्र सलारपुर में स्थित है। सीवेज ट्रीटमैंट प्लांट की स्थिति इतनी बदतर है कि वहां के क्षेत्रीय नागरिकों का रहना दूभर हो गया है, मक्खी, मच्छर और कीड़ों की भरमार हो गई है। पिछले दिनों वहां महामारी की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। गंगा निर्मलीकरण योजना से जुड़ी हुई ट्रांस वरूणा सीवर योजना वर्षों से लंबित पड़ी हुई है जिसकी उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा परियोजना व्यय बनाकर पर्यावरण मंत्रालय को भेजा जा चुका है। मामला लंबित है। ट्रांस-वरूणा सीवर योजना के लंबित होने के कारण बनारस जैसी सांस्कृतिक राजधानी में लगभग तीन लाख लोगों को गंदगी में जीने के लिए विवश होना पड़ रहा है। मेरी सरकार से मांग है कि पर्यावरण मंत्रालय इस मामले को संज्ञान में लाकर योजना को यथाशीघ्र क्रियान्वित कराए।

और जो सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट सालारपुर में लगा हुआ है, उसकी दुरुस्ती करायें, नहीं तो वहां के लोगों का रहना दूभर हो गया है, जीना खराब हो गया है। धन्यवाद।